

## सर को झुकालो शरावाली को मनालो

तर्ज – अपनी प्रेम कहानियाँ

सर को झुकालो,  
शरावाली को मनालो,  
चलो दर्शन पालो चल के,  
करती मेहरबानीयाँ माँ,  
करती मेहरबानीयाँ.....

गुफा के अन्दर,  
मन्दिर के अन्दर,  
माँ की ज्योतां है नुरानियाँ,  
सर को झुकालो,  
शरावाली को मनालो,  
चलो दर्शन पालो चल के,  
करती मेहरबानीयाँ,  
करती मेहरबानियाँ.....

मैया की लीला,  
देखो पर्वत है नीला,  
गरजे शेर छबीला,  
रंग जिसका है पीला रंगीला,  
कठिन चढाईयाँ,  
माँ सीढ़िया लाईया,  
ये है मैया की निशानियाँ,  
सर को झुकालो,  
शरावाली को मनालो,  
चलो दर्शन पालो चल के,  
करती मेहरबानीयाँ ,  
करती मेहरबानियाँ.....

कष्टों को हरती,  
मैया मंगल है करती,  
मैया शरावाली का,  
दुनिया पानी है भरती,  
दुःख हरती,  
अजब नज़ारे,  
माता के द्वारे,  
और रुत मस्तानीया,  
सर को झुकालो,  
शरावाली को मनालो,  
चलो दर्शन पालो चल के,  
करती मेहरबानीयाँ ,

करती मेहरबानीयाँ.....

कोढ़ी को काया,  
देवे निर्धन को माया,  
करती आँचल की छाया,  
भिखारी बन के जो आया,  
चला चल माँ के द्वारे,  
कटे संकट सारे,  
मिट जाए परेशानियां,  
सर को झुकालो,  
शेरावाली को मनालो,  
चलो दर्शन पालो चल के,  
करती मेहरबानीयाँ ,  
करती मेहरबानीयाँ.....

सर को झुकालो,  
शेरावाली को मनालो,  
चलो दर्शन पालो चल के,  
करती मेहरबानीयाँ ,  
करती मेहरबानियां.....

स्वर : [लखबीर सिंह लक्खा](#)

<https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/32647/title/sir-ko-jhuka-lo-sherawali-ko-mana-lo>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |